❋ शांडिल्य गोत्रस्य वृत्तांतम् ❋

श्री ब्रह्मा जी के पुत्र मरीचि तिनके कश्यप कश्यप के यज्ञकुण्ड से एक मनुष्य प्रगट हुआ उसका हुताशन नाम और शांडिल्य गोत्र कश्यप जी ने नियत किया पश्चात् कुछ काल बीते हुताशन के कुटुम्ब में एक मनोरथ तिवारी परम प्रतापी भये उन्होंने बुन्देलखण्ड के राजा अमरसिंह को यज्ञ कराया और राज पुरोहित विश्वनाथ की कन्या से ब्याह किया वहाँ से मनोरथ घर को लौटे तब उरछा दतिया भदावर के राजा को शिष्य किया पुनः हमीरपुर के राज परोहित गङ्गाराम की कन्या से दूसरा ब्याह किया तब हमीरपुर वालों ने मनोरथ को मिश्र पद दिया मनोरथ का निवास धतुरा ग्राम में था अतः धतुरा के मिश्र कहाये कुछ काल बीते मनोरथ के ३ पुत्र भये कमलनाभि १ पद्मनाभि २ देवनाभि ३ कमलनाभि मऊ में रहने से मऊ मिश्र कहाये पद्मनाभि देवनाभि हमीरपुर के मिश्र कहाये पद्मनाभि के पुत्र हरिहर भये सो हमीरपुर के उपाध्याय कहाये देवनाभि के १ पुत्र शारङ्गधर

हमीरपुर के मिश्र, और हरिहर के ३ पुत्र गङ्गाराम १ बन्शीधर २ जगन्नाथ ३ ये हमीर के उपाध्याय कहाये शारंगधर के २ पुत्र १ त्रिपुर २ गदाधर त्रिपुर कपिला के मिश्र, गदाधर हमीरपुर के मिश्र भये त्रिपुर के तीन पुत्र बाबू, खेमकर्ण, हेमनाथ बाबू खानीपुर के, खेमकर्ण भोजपुर के हेमनाथ हमीरपुर के मिश्र कहाये खेमकर्ण के पुत्र दारौ वह असनी के शुक्ल भये गदाधर के दो पुत्र गङ्गाधर श्रीहर्ष, गङ्गाधर भोजपुर के दीक्षित श्री हर्ष खानीपुर के मिश्र कहाये गङ्गाधर के ६ पुत्र बाबू १ बलराम २ बीरेश्वर ३ उमादत्त ४ गोपी ५ हंसराम ६, बाबू बलराम अन्टेर के दीक्षित बीरेश्वर उमादत्त बटपुर के दीक्षित गोपी नौगाँव के मिश्र, हंसाराम अन्टेर के दीक्षित कहाये बलिराम के चार पुत्र कंगू, समाधान, घासी, चतुरी, घासी चतुरी समाधान अन्टेर के दीक्षित, कंगू बटपुर के दीक्षित कहाये बाबू के तीन पुत्र विद्याधर, बनवारी, रघुनन्दन ये सब अन्टेर में बसे बाबू के दीक्षित कहाये श्री हर्ष के ४ पुत्र परशू, हिमकर ललकर, गोपीनाथ, परशू खानीपुर में बसे हिमकर भटेउरा

में बसे गोपीनाथ ललकर असनी में बसे और चारौ निज निज नाम के मिश्र कहाये, उमादत्त के चार पुत्र बुधे, केशी, यादव, गोबिंद, ये सब उमादत्त के दीक्षित कहाये। बीरेश्वर के ५ पुत्र मुरली, गिरधारी, नित्यानन्द, शिरोमणि, जगजीवन, ये बीरेश्वर के दीक्षित कहाये कंगू के ४ पुत्र श्रद्धा, पुरुषोत्तम माधो-राम, भट्टाचार्य ये सब बटपुर में बसे और बीरेश्वर के दीक्षित कहाये श्रद्धा के ३ पुत्र चक्रपाणि, शेखर, श्रीचन्द, भी बटपुरी बीरेश्वर के दीक्षित कहाये समाधान के ४ पुत्र द्वन्द, मुकुन्द जागे, बदले ये भी बीरेश्वर के दीक्षित कहाये मुरली के ४ पुत्र लच्छू, बिरजू, मोहन, देवदत्त, ये सब बटपुरी दीक्षित कहाये। जगजीवन के २ पुत्र धर्मू, शर्मू भी बटपुरी बीरेश्वर के दीक्षित, कहाये धर्मू के पुत्र जयकृष्ण, जयकृष्ण के ५ पुत्र यज्ञदत्त गृहपति धीरेश्वर, जगपति, क्षेमकरण, बीरेश्वर के दीक्षित, क्षेमकरण के ३ पुत्र रूपनारायण, सूर्यदीन, दीनानाथ दीनानाथ के चार पुत्र गोकुल, समाधान देवकीनन्दन देवदत्त, गोकुल के दो पुत्र कृपाराम भजन, भजन के काशीप्रसाद राम प्रसाद यह सब बटपुर में बसे

और बीरेश्वर के दीक्षित कहाये परशू के ४ पुत्र पद्मपाणि, कमलपाणि, चक्रधर,, बंशीधर ये खानीपुर के मिश्र। हिमकर के ३ पुत्र शङ्कर, क्षेमनाथ जयभद्र ये भटेउरा वाले हिमकर के मिश्र। जयभद्र के दो पुत्र लछनू, बछनू हिमकर के मिश्र कमलपाणि के चार पुत्र लालमणी १ लोकमणी २ विश्वनाथ ३ चतुर्भुज ये सब असनी में बसे असनी परशूके मिश्र। चौथे चतुर्भुज कन्नौज के मिश्र कहाये चतुर्भुज के चार पुत्र सुक्खा, मुन्ना, बुद्धा, दीपा ये सब मीरा की सराय के मिश्र परशू वाले कहाये सुक्खा के २ पुत्र गङ्गन, पाटन ये मीरा की सरांय वाले परसू के रामपुरी मिश्र गोपीनाथ के ३ पुत्र मथुरानाथ, प्रभाकर, श्रीधर ये सब गोपीनाथी कन्नौज के मिश्र, श्रीधर के १ पुत्र चतुर्भुज असनी में बसे तहां एक धोबी से लड़ाई हुई तब से धोबिया गोपीनाथी मिश्र कहाये प्रभाकर के २ पुत्र श्रीकण्ठ, माधव ये गोपालपुर के मिश्र। श्रीकण्ठ के ३ पुत्र प्राणनाथ, केशवराम, हरीनन्द ये सब मौजमाबाद के मिश्र, प्राणनाथ के दो पुत्र गदाधर लक्ष्मण, खानीपुर के मिश्र विख्यात भये काशी प्रसाद के ३ पुत्र चन्द्रसेन, रामनाथ

कालिका चन्द्रसेन डौड़िया खेरे के दीक्षित कहाये रामनाथ बनिगाँव के तिवारी, कालिका कठौता के तिवारी, कहाये।

शांडिल्य गोत्र मिश्रों का स्थान असामी विस्वा

स्थान	असामी	विस्वा
चतुरा के	मनोरथ	४
मऊ के	कमलनाभि	५
हमीरपुर के	पद्मनाभि	६
,,	देवनाभि	५
,,	शारङ्गधर	५
,,	हेमनाथ	५
खार्नपुर के	परशू	२०
,,	बाबू	६
,,	श्रीहर्ष	८
खानीपुर के	परशू के पद्मपाणि	२०
,,	कमलपाणि	,,
,,	चक्रराज	,,
,,	वंशीधर	,,
खानीपुर के	गदाधर	११
,,	लक्ष्मण	११
हमीरपुर के	गदाधर	६
असनी के	लालकर	१६
,,	गोपीनाथ	,,
असनी हिमकर के	सोमनाथ	१६
असनी परशू के	लोकमणि	२०
,,	लोकमणि	,,
,,	विश्वनाथ	,,
,,	चतुर्भुज	,,
मटेउरा के	हिमकर	१६
मटेउरा	हिमकर शङ्कर	,,
गेगासोके	हिमकर जयभद्र	१६
,,	लछनू	१७
,,	बछनू	,,
गोपालपुर	गोपीनाथ श्रीकंठ	१६
,,	माधव	१५
कन्नौज के	चतुर्भुज	,,

स्थान	असामी	विस्वा
मीरासराय	परशू सुक्खा	२०
,,	मुन्ना	,,
,,	बुद्धा	,,
,,	दीपा	,,
परशू रामपुरी	गगन	,,
,,	पाटन	,,
मौजमाबाद (गोपनाथी)	प्राणनाथ	१३
,,	केशवराम	,,
मौजमाबाद (गोपीनाथी)	हरीनन्द	१४
खमरा के	जवाहिर	७
कनौज	गोपीनाथीप्रभाकर	१७
,,	मथुरानाथ	,
मोजपुर के	क्षेमकर्ण	६
कपिला के	त्रिपुर	११
नौगांव के	गोपी	१२

❀ इति मिश्राः ❀

शांडिल्य गोत्र दीक्षितों का स्थान असामी विस्वा

स्थान	असामी	विस्वा
बटपुर कंगू के	श्रद्धा	२०
,,	पुरुषोत्तम	,,
,,	माधवराम	,,
,,	भट्टाचार्य	,,
बदपुर समाधान के	द्वन्द	७
,,	मुकुन्द	७
,,	आगे	७
,,	बदले	८
बटपुरके वीरेश्वर के	लच्छू	१७
,,	बिरजू	१८
,,	मोहन	,,
बटपुर वीरेश्वर के	देवदत्त	१८
,,	धर्मू	,,
,,	शर्मू	,,
,,	जयकृष्ण	१५
,,	यज्ञपति	१६
,,	ग्रहपति	१५
,,	धीरेश्वर	,,
,,	यज्ञदत्त	,,
,,	क्षेमकर्ण	,,
,,	रूपनारायण	१४
,,	सूर्यदीन	१५
,,	दीनानाथ	,,

स्थान	असामी	बिस्वा
बटपुरकेबीरेश्वर	रामप्रसाद	११
"	मुरली	२०
"	गिरधारी	"
"	नित्यानन्द	"
"	शिरोमणि	"
"	जगजीवन	"
बटपुर के	बंगू	"
"	बीरेश्वर	"
"	उमादत्त	१५
बटपुर उमादत्त के	बूबे	१७
"	केशी	१२
"	यादव	१६
"	गोविन्द	१५
अन्टेर बाबू के	विद्याधर	१६
"	बनवारी	"
"	रघुनन्दन	"
बटपुर बीरेश्वर	गोकुल	१३
"	समाधान	"
"	देवकीनन्दन	"
"	देवदत्त	"
"	कृपाराम	१२
"	भजन	"
"	काशीप्रसाद	११

स्थान	असामी	बिस्वा
अन्टेर के	हंसराम	१४
"	बाबू	१८
"	बलिराम	"
"	समाधान	१९
"	घासी	"
"	चतुरी	१८
भोजपुर के	गङ्गाधर	६
डौंड़िया खेरे के	चन्द्रसेन	३
बटपुर कगू के	चक्रपाणि	१९
"	शेखर	"
"	श्रीचन्द्र	१८

❀ इति दीक्षिताः ❀

शांडिल्य गोत्र उपाध्याय

स्थान	असामी	बिस्वा
हमीरपुर के	हरिहर	३
"	गङ्गाराम	४
"	बंशीधर	४
"	जगन्नाथ	३
लखनऊ के	मतिराम	३
चिलौली के	कुन्दन	३

शांडिल्य गोत्र शुक्ल अवस्थी अग्निहोत्री तिवारी

स्थान असामी	विस्वा	स्थान असामी	विस्वा
शुक्ल मसनी दारो	४	अवस्थी कठौता के मनोहर	३
तिवारी बनिर्वाव	३	" चतुरा के वामन	३
" कठौता रामनाथ	३	" अमलगहनी मोती	३
" चतुरा के बन्दीदीन	३	अग्निहोत्री भयपुर के देवता	३
		" बटपुर के जयराम	३

❀ इति शांडिल्य गोत्रम् ❀

भरद्वाज गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री ब्रह्मा के पुत्र अङ्गिरा तिनके बृहस्पति तिनके भरद्वाज भरद्वाज के कुल में अश्वत्थामा भये सो पांड़े कहाये तिन्हीं अश्वत्थामा के बंश में २ पुत्र सत्याधर, बामदेव परम प्रवीण हुए और तरी के शुक्ल कहाये वामदेव के १ पुत्र गुणाकर बंशाथी के पांड़े कहाये सत्याधर के १ पुत्र मधुकर बिगहपुर के शुक्ल कहाये तदुपरान्त मधुकर गुणाकर के पुत्र पौत्रों ने दस ग्रामों में रहकर बंश बृद्धि की मधुकर के १० पुत्र भये चन्दन १ तरी के शुक्ल यदुनन्दन २, नवायें के शुक्ल, मणिकन्ठ ३ पुरवा के, कंजू ४ गहरौली के, बंशी ५ स्वरौली